TRAINING PROGRAM ON BAMBOO BASED INCENSE STICKS INDUSTRY

FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION PRAYAGRAJ

One day training program on bamboo based incense sticks industry was organized under "Azadi Ka Amrit Mahotsav" on 11th March 2022 by Forest Research Centre for Eco-Rehabilitation, Prayagraj at its Central Nursery Padilla to promote the livelihood options among the marginal farmers.

The program was inaugurated with lighting of the lamp. In welcome address, Dr. Sanjay Singh, Head FRCER, discussed the program theme and immense possibilities of livelihood development of women and rural families in bamboo based agarbatti industry. He also apprised about the main role of various institutes and centers of the Indian Council of Forestry Research and Education in promoting bamboo cultivation.

Mr. Alok Yadav, Scientist-E and training organizer briefed about the program motive and resource persons of the programme.

In the invited lecture, Dr. Rohit Mishra, Associate Professor, Allahabad University, Prayagraj discussed the usefulness of bamboo and the cultivation techniques for the bamboo species utilized for making incense stick.

Mr. Kali Sahai, Founder - Nandani Kutir Udyog, Amethi appraised about various items from bamboo based products. He also demonstrated the process of handmade incense stick under small scale industries. The participants were also given hands on training in making incense sticks.

At the end of the program, Dr. Anubha Srivastava, Senior Scientist of the Center gave vote of thanks. More than 50 farmers and other participants enthusiastically participated in the training programme. Senior scientists of the center Dr. Anita Tomar and senior technical officer Dr. S. D. Shukla and Sri Ratan Gupta along with research students working in various projects were present.

MEDIA COVERAGE

बाँस आधारित अगरबत्ती उद्योग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं.)। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला में मुक्ताकाश में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किसानों की आय को बढ़ाने हेतु बाँस आधारित अगरबत्ती उद्योग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। कार्यक्रम का विस्तृत परिचय वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक आलोक यादव द्वारा दिया गया साथ ही बाँस की विभिनन्न प्रजातियों और उनसे बनने वाले उत्पादों से भी अवगत कराया गया। अपने स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने कार्यक्रम विषय पर चर्चा करते हुए बाँस आधारित अगरबत्ती उद्योग में महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के आजीविका विकास की अपार सम्भावनाओं को चिन्हित किया। उन्होंने बाँस की खेती को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के विभिनन्न संस्थानों तथा केंद्रों की मुख्य भूमिका से भी अवगत कराया। आमंत्रित व्याख्यान में डा0 रोहित मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बाँस आधारित अगरबत्ती हेतु आवश्यक सामग्री से अवगत कराया। काली सहाय, संस्थापक, नंदनी कुटीर उद्योग, अमेठी ने बाँस आधारित अगरबत्ती तैयार करने हेतु आवश्यक सामग्री तथा विधि से पूर्णतः अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण विशेषग्यो द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाँस आधारित अगरबत्ती से आय को बढ़ाने हेतु लगभग 100 से अधिक सीमान्त किसानों तथा अन्य प्रतिभागियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा

लिया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला के साथ रतन गुप्ता, तकनिकी अधिकारी एवं विभिनन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज 3
अमृत प्रभात
प्रयागराज, शनिवार 12 मार्च 2022

संगम की रेती पर बनाया सैंड आर्ट

प्रयागराज (नि.सं.)। भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत का जहां देश भर में जश्न मनाया जा रहा है तो दूसरी ओर प्रयागराज में भी भाजपा समर्थकों ने खुशी का माहौल है। इसी कड़ी में भाजपा की जीत को लेकर छात्रों ने संगम की रेती पर सैंड आर्ट बनाया। आर्ट में भगवा रंग भरकर यह दर्शाया गया कि बीजेपी की जीत से देश भगवामय हो गया है।

बांस आधारित अगरबत्ती उद्योग की दी जानकारी

प्रयागराज (नि.सं.)। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला में मुक्ताकाश में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किसानों की आय को बढ़ाने के लिये बांस आधारित अगरबत्ती उद्योग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन केन्द्र प्रमुख के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। विस्तृत परिचय वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक आलोक यादव द्वारा दिया गया। बांस की विभिन्न प्रजातियों और उनसे बनने वाले उत्पादों से भी अवगत कराया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कार्यक्रम विषय पर चर्चा करते हुए बांस आधारित अगरबत्ती उद्योग में महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के आजीविका विकास की अपार सम्भावनाओं को चिन्हित किया। उन्होंने बांस की खेती को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के विभिन्न संस्थानों तथा केंद्रों की मुख्य भूमिका से भी अवगत कराया। डॉ. रोहित मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बांस आधारित अगरबत्ती के लिये आवश्यक सामग्री से अवगत कराया। काली सहाय, संस्थापक, नंदनी कुटीर उद्योग, अमेठी ने बांस आधारित अगरबत्ती तैयार करने हेतु आवश्यक सामग्री तथा विधि से पूर्णत: अवगत कराया। डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांस आधारित अगरबत्ती से आय को बढ़ाने के लिये लगभग 100 से अधिक सीमान्त किसानों तथा अन्य प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

कृषक राष्ट्र संदेश

Home > प्रयागराज >

बाँस आधारित अगरबत्ती उद्योग में अपार संभावनाएं : डा. संजय

बाँस आधारित अगरबत्ती उद्योग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

By **Abhay Shankar Pandey** — Last updated **Mar 11, 2022** प्रयागराज

— 10,217 —

केन्द्रीय अनुसंधान पौधशाला, पडिला में आज पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा मुक्ताकाश में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किसानों की आय को बढ़ाने हेतु **बाँस आधारित अगरबत्ती उद्योग** पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। कार्यक्रम का विस्तृत परिचय वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक आलोक यादव द्वारा दिया गया साथ ही बाँस की विभिन्न प्रजातियों और उनसे बनने वाले उत्पादों से भी अवगत कराया गया।

स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने कार्यक्रम विषय पर चर्चा करते हुए बाँस आधारित अगरबत्ती उद्योग में महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के आजीविका विकास की अपार सम्भावनाओं को चिन्हित किया। उन्होंने बाँस की खेती को बढ़ावा देने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के विभिन्न संस्थानों तथा केंद्रों की मुख्य भूमिका से भी अवगत कराया। आमंत्रित व्याख्यान में डा. रोहित मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बाँस आधारित अगरबत्ती हेतु आवश्यक सामग्री से अवगत कराया।

काली सहाय, संस्थापक, नंदनी कुटीर उद्योग, अमेठी ने बाँस आधारित अगरबत्ती तैयार करने हेतु आवश्यक सामग्री तथा विधि से पूर्णतः अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाँस आधारित अगरबत्ती से आय को बढ़ाने हेतु लगभग 100 से अधिक सीमान्त किसानों तथा अन्य प्रतिभागियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनीता तोमर तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा. एस.डी.शुक्ला के साथ रतन गुप्ता, तकनिकी अधिकारी एवं विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।